

शैक्षणिक वर्ष 2020-21

पाठ्यक्रम विवरण : जनवरी से अप्रैल 2020

पाठ्यक्रम : बी ए हिंदी विशेष

सत्र : प्रथम

पेपर : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

शिक्षक : डॉ अनीता

पाठ्यक्रम

इकाई 1:

हिंदी साहित्य : इतिहास लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास -लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई 2:

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

इकाई 3:

भक्ति काल(पूर्व मध्यकाल)

- भक्ति- आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्ति काल की धाराएं :
 1. निर्गुण काव्यधारा(ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेम मार्गी सूफी शाखा)
 2. सगुण काव्य धारा(राम भक्ति शाखा, कृष्ण भक्ति शाखा)
 3. अन्य काव्य

इकाई 4 :

रीतिकाल(उत्तर मध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक परिवेश, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य प्रवृत्तियां
 1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
 2. रीतिमुक्त काव्य
 3. वीर काव्य, भक्ति काव्य, नीति काव्य

पाठ्यक्रम विवरण

पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को हिंदी साहित्य के इतिहास एवं उसके प्रमुख इतिहास ग्रंथों की जानकारी दी जाती है। विशेष रूप से आदिकालीन एवं मध्यकालीन इतिहास से अवगत कराया जाता है। इसके अतिरिक्त इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण और इतिहास निर्माण की पद्धति को स्पष्ट किया जाता है।

शिक्षण समय : 15 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के 5 दिन प्रस्तुत समय सारणी द्वारा आयोजित की जाती है। विद्यार्थियों को विशेष से संबंधित पुस्तकों की जानकारी तथा साथ ही विषय से संबंधित विद्वानों द्वारा लिखित सामग्री दी जाती है। ट्यूटोरियल कक्षाएं नियम अनुसार 8 विद्यार्थी प्रति ग्रुप के हिसाब से प्रत्येक सप्ताह तथा हल प्रश्न पत्र में होती है। असाइनमेंट, टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरण

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा का परिचय
सप्ताह 2	हिंदी साहित्य : काल विभाजन एवं नामकरण
सप्ताह 3	असाइनमेंट
सप्ताह 4	आदिकाल की राजनीतिक सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश और साहित्यिक पृष्ठ-भूमि
सप्ताह 5	सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य और जैन साहित्य
सप्ताह 6	रासो काव्य, लौकिक साहित्य
सप्ताह 7	टेस्ट और प्रस्तुतीकरण

सप्ताह 8	भक्ति आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
सप्ताह 9	भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
सप्ताह 10	भक्ति काल की धाराएं : निर्गुण धारा(ज्ञानाश्रयी एवं प्रेम मार्गी शाखा)
सप्ताह 11	सगुण धारा (राम भक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा), अन्य काव्य
सप्ताह 12	टेस्ट , सामूहिक चर्चा
सप्ताह 13	रीतिकाल की पृष्ठभूमि(राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक,आर्थिक परिवेश और साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
सप्ताह 14	काव्य प्रवृत्तियां : रीतिबद्ध और रिद्धि सिद्धि
सप्ताह 15	रीतिमुक्त काव्य, वीर काव्य, भक्ति काव्य , नीति काव्य अंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां।

संबंधित पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएं - संपा. अनिल रॉय
- साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पांडेय
- हिंदी साहित्य का इतिहास - संपा. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार - संपा. गोपेश्वर सिंह